स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

# पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY



विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड



वर्ष २४ अंक १०२ वि.सं. २०८३ कार्तिक १६ गते सोम्मार थारु सम्वत (२६४९) [Monday 02 November 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)


## महाकाली सिँचाइ आयोजना :

# संरचना बन्केफे पानी नैआइल

**पहुरा समाचारदाता**

**कञ्चनपुर, १५ कार्तिक ।** महाकाली सिँचाइ आयोजना टिसरा चरणसे पाँच हजार हेक्टर क्षेत्रफलमे सिँचाइ सुविधाके उपलब्ध करैना संरचना तयार बटै ।

आयोजनाके ब्रह्मदेवसे शुक्लाफाँटा नगरपालिकाके फुलेलीसम २८ किलोमिटर मूल नहर निर्माण हुइल वर्षौं हुसेकल । मूल नहर निर्माण हुइल क्षेत्रमे किसानके खेतसम पानी पुगैना १४ ठो शाखा नहर निर्माण सम्पन्न हुसेकल बटै कलेसे आठ शाखा नहर निर्माणके अन्तिम चरणमे बटै ।

उ क्षेत्रमे पाँच हजार हेक्टर क्षेत्रफलमे सिँचाइ सुविधा उपलब्ध करैना संरचना तयार हुइलेसेफे भारतीय पक्षसे टनकपुरसे नहरमे पानी नैछोरके नहर निर्माण हुइल वर्षौं बिटसेक्लेसेफे पानी सञ्चालन हुई सेकल नैहो ।

महाकाली सिँचाइ आयोजना टिसरा चरणके आयोजना निर्देशक गणेश मरासिनी भारतसे टनकपुरसे नहरमे पानी नै छोरके नहर बन्लेसेफे यहाँके किसानसे सिँचाइ सुविधा पाई नैसेकल बटैलै ।

'निर्माण सम्पन्न हुइल नहरमे चार वर्षआघे परीक्षणसमेत हुसेकल हो, उ पाछे भारतीय पक्षसे नहरमे पानी छोडल नैहो, उहाँ कहलै, 'पाँच हजार हेक्टरमे सिँचाइ उपलब्ध करैना संरचना तयारी अवस्थामे बटै ।' चार वर्षआघे उ नहर परीक्षणके क्रममे टनकपुरस आइल पानीसे धान दिवससमेत मनाइल रहे । उ पाछे भर नहरमे पानी आई सेकल नैहो ।

निर्देशक मरासिनीसे टनकपुरसे पानी छोरेक लाग टमान प्रयास



हुइलेसेफे नेसनल हाइड्रोपावर कर्पोरेसन (एनएचपीसी) से पानी छोरे नैमानल बटैलै ।

'यकर लाग उप्परके निकायसे पहल हुइना जरुरी बा, हम्रे बारबार पहल करटी रहल बटी', आयोजना निर्देशक मरासिनी कहलै, 'यी विषयमे उप्पर निकायमे जानकारी करासेकल बटी ।'

टनकपुरस्थित एनएचपीसीके कर्मचारीसे दिल्लीके आदेश अइटीकी पानी छोरबी कना जवाफ आयोजना कार्यालयहे डेना करल बटै । दुनु देशके प्रधानमन्त्रीसे संयुक्त रूपमे उ आयोजनाके उद्घाटन करलपाछे केल्ह नहरमे पानी अइना अवस्था बनल बा । प्रधानमन्त्री बालेन शाहके आसन्न भारत भ्रमणके क्रममे यी विषयस प्राथमिकता पाइसेक्लेसे नेपालसे महाकाली सन्धिअनुसार महाकाली लडियासे पानी पैना अपेक्षा करल बा ।

'उप्परके निकायसे कूटनीतिक पहल हुइलेसे नहरमे पानी सञ्चालन हुइनामे हम्रे आशावादी बटी', आयोजना निर्देशक मरासिनी कहलै, 'कुछ दिनआघे केल्ह दुनु देशके अधिकारीबीच यी विषयमे काठमाडौँमे छलफल हुइल बा ।'

उहाँ मन्त्रालय ओ भारतीय पक्षसे मागल सूचनासमेत उपलब्ध करैटी बटैटी नहरमे हाली पानी सञ्चालन हुइनामे आशावादी रहल बटैलै ।

महाकाली सन्धि सम्झौताअनुसार भारतीय पक्षसे टनकपुरसे नेपालके सीमासम निर्माण करेपर्ना एक हजार २०० मिटर नहर निर्माण सम्पन्न करसेकल बा । सन्धि सम्झौताअनुसार टनकपुर ब्यारेजसे हिउँदमे ३०० क्यूसेक ओ वर्षातमे एक हजार क्यूसेक पानी नेपालसे पाईपर्ना उल्लेख बा । आव २०६३/६४ से सुरु हुइल महाकाली सिँचाइ टिसरा चरणके आयोजनाके लाग सुरुआतसे पर्याप्त बजेट नैहुके निर्माणकार्यसे गति लेहे सेकल नैहो । सरकारसे आव २०७६/७७ मे राष्ट्रिय गौरवके आयोजनामे समावेश करलपाछे निर्माणसे गति लेहल रहे ।

लक्ष्यअनुसार मूल नहरसहित १५१ किलोमिटर नहर निर्माण हुइलपाछे कैलाली ओ कञ्चनपुरके ३३ हजार ५२० हेक्टर क्षेत्रफलमे सिँचाइ सुविधा पुगी । आयोजनाके अनुसार हालसस १० अर्ब ७४ करोड रुपैयाँ बजेट खर्च हुसेकल बा । चालु आवमेफे आयोजनाके लाग करिब दुई अर्ब रुपैयाँ बजेट विनियोजन हुइल बा । महाकाली सिँचाइ टिसरा चरणके काम सम्पन्न हुइलेसे कैलाली ओ कञ्चनपुरके ३३ हजार ५२० हेक्टर क्षेत्रफलमे सिँचाइ सुविधा पुगी ।

# सुदूरपश्चिमके बजेट कसिक बनी ?

**पहुरा समाचारदाता**

**धनगढी, १५ कार्तिक ।** आर्थिक वर्ष सुरु हुइल तीन महिनापाछे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे बजेट ल्यानल । सत्तारुढ दलके सांसदहुकनके असन्तुष्टिबीच बजेट पारित हुइल ।

विवादित बजेटउप्पर छानबिन कैना ओ पूरक बजेट ल्यान्न सहमतिपाछे किल सत्तारुढ दलके सांसदहे बजेट पारित कैना तयार हुइल रहे । बजेट पारित हुइल तीन साता पुगटी लागलफे उ विवाद साम्य हुइल नै हो ।

आर्थिक मामिलामन्त्री चक्रबहादुर मल्ल बजेटमे बेथिति हुयल स्वीकार करसेकल बटै । अब्बे मुख्यमन्त्री खगराज भट्टफे बजेट निर्माणके क्रममे अपन कल्पना नैकरल स्तरके बेथिति डेखल बटैले बटै । मुख्यमन्त्री भट्ट प्रदेशके बजेट निर्माण प्रक्रियामे डेखल प्रवृत्तिके गम्भीर *(बाँकी २ पेजमे)*


## सामाजिक सञ्जाल प्रयोगमा सतकर्ता अपनाऔं

- सामाजिक सञ्जालमा जातीय, धार्मिक, सामाजिक र साम्प्रदायिक सद्भावमा खलल पुऱ्याउने तथा भ्रम सिर्जना गर्ने कार्य नगरौं ,
- राष्ट्रिय सुरक्षा र एकतामा आँच नपुऱ्याऔं,
- कसैको प्रतिष्ठा, मर्यादा र आत्मासम्मानमा ठेस नपुऱ्याऔं,
- जातीय भेदभाव, छुवाछुत र श्रमप्रति अवहेलना नगरौं,
- शान्ति सुरक्षामा खलल पार्ने एवम् प्रचलित कानूनले रोक लगाएका सामग्रीहरु पोष्ट, शेयर, ट्याग, ह्यासट्याग, जस्ता कार्यहरु कानूनतः दण्डनीय हुन्छन् ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड


# सिक्टा ओ बबई आयोजनासे थप १५० हेक्टरमे सिँचाइ सुविधा

**पहुरा समाचारदाता**

**बर्दिया, १५ कार्तिक ।** राष्ट्रिय गौरवका सिँचाइ आयोजनासे नयाँ क्षेत्रमे सिँचाइ सुविधा पुगाई लागल बटै । जलस्रोत तथा सिँचाइ विभागके अनुसार सिक्टा सिँचाइ आयोजना बाँकेसे थप १०० हेक्टर ओ बबई सिँचाइ आयोजना बर्दियासे थप ५० हेक्टर जमिनमे सतह सिँचाइ सुविधा पुगाइल हो ।

सिक्टा आयोजनासे रु ५४ करोड तीन लाख लागत अनुमानके चार ठो बोलपत्र आह्वान करसेकल बा । पुस मसान्तसम रु दुई अर्ब ४८ करोड ३० लाख बराबरके १७ ठो बोलपत्र आह्वान कैना ओ ३०० हेक्टरमे सिँचाइ पुगैना लक्ष्य आयोजनासे रख्ले बा । बबई आयोजनासेफे पुस मसान्तसम ३०० हेक्टरमे सिँचाइ पुगैना लक्ष्य लेहल विभागके सूचना अधिकारी रामप्रसाद पौडेल बटैलै ।

विभागके अनुसार रानी जमरा कुलरिया सिँचाइ आयोजना, टिकापुर (कैलाली) से रु एक अर्ब ३३ करोड ३५ लाख लागत अनुमानके ६ ठो बोलपत्र आह्वान करले बा । आयोजनाके भौतिक प्रगति सावनमे आठ प्रतिशत रहलमे भदौ मसान्तसम १५ प्रतिशत पुगल बा । वित्तीय प्रगतिफे उहे अवधिमे ५.२५ प्रतिशतसे बह्रके ११.४३ प्रतिशत पुगल बा । आयोजनासे पुस मसान्तसम रु दुई अर्ब ३० करोड बराबरके १२ ठो बोलपत्र आह्वान कैना, १.५ किलोमिटर तटबन्ध बनैना ओ १६० हेक्टर जग्गा उकास कैना लक्ष्य रख्ले बा ।

भेरी बबई डाइभर्सन बहुउद्देश्यीय आयोजनासे भदौ मसान्तसम ३.४ प्रतिशत भौतिक ओ ३.४९ प्रतिशत वित्तीय प्रगति हासिल करले बा । आयोजनासे पुस मसान्तसम रु ६१ करोड बराबरके चार ठो बोलपत्र आह्वान कैना योजना बनैले बा । सुनकोशी मरिन डाइभर्सन आयोजनामे भर पुस मसान्तसम ९७ हेक्टरमे लिफ्ट सिँचाइ ओ ६.१८ किलोमिटर तटबन्धके लक्ष्य राखल बा ।




**स्माईल चौधरीसे प्रकाशित**
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

# सुनके मूल्य तोलामे आठ हजार तीन सय घटल

**काठमाडौँ, १५ कार्तिक ।** अँटवार एक्केदिन सुनके मूल्य तोलामे ८ हजार ३ सय रुप्या घटल बा ।

नेपाल सुनचाँदी व्यवसायी महासंघसृ अँटवारके लागल सुनके मूल्य प्रतितोला २ लाख ७२ हजार रुप्या तोक्ले बा । अघिल्का दिन २ लाख ८० हजार ३ सय रुपैयाँमे सुनके कारोबार हुइल रहे ।

अन्तर्राष्ट्रिय बजारमे उच्च दरस सुनके मूल्य घटलसंगे नेपाली बजारमे प्रभाव डेखल महासंघ जनैले बा । गत वर्षके माघ १५ गते नेपाली बजारमे सुनके मूल्य तोलाके ३ लाख ३९ हजार रुपैयाँसम पुगल रेकर्ड बा ।

ओस्टे अँटवार चाँदीो भाउफे तोलामे १७५ रुपैयाँ घटल बा । अघिल्का दिन प्रतितोला ३ हजार ८२५ रुपैयाँमे कारोबार हुइल चाँदी अँटवार ३ हजार ६५० रुपैयाँमे झरल बा ।

## सुदूरपश्चिमके बजेट...

समीक्षा करेकपर्ना बटैले बटै ।

बजेट निर्माणके क्रममे राज्यकोषसे पार्टी ओ नेताहुकनके व्यवस्थापन कैना प्रवृत्ति डरलाग्टी रहल उल्लेख करटी उहाँसे बजेट प्रणालीमे सुधार आवश्यक रहलके आशय व्यक्त करल हो । धनगढीमे आयोजित सुदूरपश्चिमेली नेपाली समाजके चौथो अधिवेशन ओ अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलनहे सम्बोधन करटी मुख्यमन्त्री भट्ट प्रदेशसभा सदस्यहुकनके दबाबमे छोट ओ टुक्रा योजनाहे बजेटमे समेटना करल खुलासा करलै । 'बजेट बनैटी दोहोरइटी पके देखलै । राज्यकोषसे पार्टी ओ नेताके व्यवस्थापन कैना प्रवृत्तिफे खुब डरलाग्टी रहल बा,' उहाँ कहलै, 'मै कल्पनाफे करल रहै, बेथितिके स्तर एकर गहिर ठाउँ बा कहके ।'

बजेट निर्माणके क्रममे दोप्हर रूपान्तरणकारी ओ बरवर योजनाके बाट करुइया रात छोट योजनाके सूची बोक्के आइना करल उहाँके कहाइ रहे । 'उहे मान्छे दोप्हर गजबके रूपान्तरणकारी योजना लैके आइल बा,' उहाँ कहलै, 'रात उहे मनै आके १० लाखके योजनाके सूची मोर कोटके गोजीके ढारके जाइठै ।' असिन प्रवृत्ति बजेटके प्राथमिकता ओ प्रभावकारिताउप्पर प्रश्न उठाइल कहटी मुख्यमन्त्री भट्टसे बजेटके समग्र समीक्षा करेकपर्ना आवश्यकता बटैलै ।

उहाँसे अपन दलके नेताहुकनसे समेत अपनसे भर अनुसार योजना नैपरल कहटी पार्टी हेडक्वार्टरमे गुनासो करल प्रसङ्गसमेत सार्वजनिक करलै । बजेटमे ७० से ८० लाख रुपयाँसमके योजना समेटल नेतासेफे १२ लाख रुपयाँके एक योजना नैपरल कहटी असन्तुष्टि जनैले उहाँके कहाइ रहे । मोर पार्टीके नेतासे मोरे पार्टीके हेडक्वार्टरमे फोन करलै । एकफे योजना नै डारडेलै कहटी गुनासो करलै,' उहाँ कहलै, 'जबकि उहाँ कहलै ७०-८० लाखके योजना परल रहे । उहाँके चिन्ता १२ लाखके योजना नै परल कहटी रहल बा ।'

मुख्यमन्त्री भट्टके इ अभिव्यक्तिसे सुदूरपश्चिमके बजेट निर्माण प्रक्रियामे राजनीतिक दबाब ओ नेतामुखी योजना छनोटके विषयहे फेरसे सतहमे ल्यानल बा । बजेटमे छानबिन कैना ओ पूरक बजेट ल्यानल सहमतिपाछे पारित करल बजेटबारे अभिन प्रश्न उठिरहलके बेला मुख्यमन्त्रीके अभिव्यक्तिसे टुक्रा योजनाके प्राथमिकता ओ बजेट निर्माणमे हुइना राजनीतिक हस्तक्षेपबारे थप बहस सिर्जना करल बा । रूपान्तरणकारी ओ दीर्घकालीन विकासके योजना आघे सार्न भाषण कैना नेताहे बजेटमे छोट योजनाके लग दबाब डेना करल मुख्यमन्त्रीके अभिव्यक्तिसे पुष्टि करल बा ।

**डिवश ड्राईभिङ सेन्टर**

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोट: साथै दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

## पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

# बागमतीमे बाँधके विकल्प

विचार
डा. मिलनकुमार थापा

पूर्वीय सभ्यता ओ संस्कृतिके संगम काठमाडौँ उपत्यकाके प्रमुख जलाधार बागमती नदी हो । बागमती नदीके इतिहास मानव सभ्यतासँग जोरल बा । बागद्वारसे उत्पत्ति होके सुन्दरीजल हुइटि चोभार गल्छीसे बहना बागमती नदीकिनारमे प्रसिद्ध एवं पवित्र तीर्थस्थल अवस्थित बा । आराध्यादेव भगवान् पशुपतिनाथ मन्दिरसँगे सुन्दरीमाई, उत्तरवाहिनी, गोकर्णेश्वर महादेव मन्दिर, गुह्येश्वरी भगवती मन्दिर, गौरीघाट, शंखमूल, थापाथली, टेकु दोभान, कालमोचनघाट, जलविनायकसहित कैयौँ मठमन्दिर बागमती नदीकिनारके सौन्दर्य किल नाइहो मौलिक सभ्यता ओ प्राचीन परम्परासँग जोरल सम्पदा हो । यी सभ्यताके संरक्षण ओ संवर्धन करना हमार दायित्व हो । बागमती नदीके सफाइ फेन औरे महत्वपूर्ण पक्ष हो ।

तत्कालीन सरकार भन्डे दशकआघे बागमती नदीसहित विष्णुमती ओ धोबीखोलासहित उपत्यकाके मुख्य जलाधारहे सफा बनैना तथा सुक्खायाममे पानीके बहाब बहैना उद्देश्यके साथ 'बागमती रिभर इम्प्रुभमेन्ट प्रोजेक्ट' लागु करले रहे । पाँच-छ दशकआघे बागमतीमे सफा ओ स्वच्छ पानी बहना करलेसे फेन पाछेक दशकमे बस्तीसे अइना ढल ओ फोहोरके कारण सुक्खायाममे नदीके प्राकृतिक पानी शून्यप्रायः बनल बा । यिहे समस्या समाधान करना शिवपुरी जलाधार क्षेत्रभित्र 'धाप' ओ 'नागमती' मे बाँध (ड्याम) निर्माण करना योजना आघे सारल रहे मने यी संरचना प्राविधिक एवं वातावरणीय दृष्टिसे जोखिमपूर्ण ओ अनुपयोगी सिद्ध हुइल कारण खर्च फेन कम हुइना मेरिक वैकल्पिक परियोजनाके सन्दर्भमे सघन विमर्श करेपरना आवश्यकता गेखाइल बा । यकर कारण प्रस्ट बा, प्राकृतिक रूपमे निर्मित विशालकाय हिमताल ओ पोखरी पृथ्वीके गर्भमे विलुप्त होके मानव सोच ओ परिकल्पनासे निर्मित बाँधके भविष्य क्षणिक रहठ ओ उ बाँधसे औरे बित्यास निम्त्याइठ ।

### शृंखलाबद्ध जलप्रलय

काठमाडौँ उपत्यकाउप्पर निर्मित धाप ड्यामसे उत्पन्न हुइना जोखिमबारे करल अध्ययनके विस्तृत वर्णनआघे उच्च हिमाली ओ पहाडी क्षेत्रमे हुइटिरहल शृंखलाबद्ध जलप्रलयहे दृष्टिगत करे परठ । २०८३ भदौ १० गतेके रसुवा-भोटेकोशी बाढ नेपालके इतिहासमे एक अभूतपूर्व हिमाली प्राकृतिक विपत्ति हो । सुदूर उत्तरी हिमाली क्षेत्र रसुवा हुइटि बहना भोटेकोशीमे विनाशकारी बाढ हमार लाग अविस्मरणीय पाठ सिखेपरना एक अध्याय किल हो । नेपाल-चीन सीमालग्गे उपल्लो भोटेकोशी जलाधार क्षेत्रके हिमनदी ल्हेन्देखोलामे हिमचट्टान गिरलपाछे भीषण पहिरो जाके रसुवा, धादिङ, नुवाकोट हुइटि चितवनके तटीय क्षेत्रसम भयानक तबाही मच्चाइल । उ घटनाआघे उच्च भूभागसे विशाल हिमचट्टानके पहिरो खसल रहे । ३० हजारसे ढेर नागरिकके थातथलो नामेट हुइल उ कहरमे परके अब्बे फेन कैयौँ नागरिक बेपत्ता बटैं । नदी तटीय क्षेत्रके ४१ से ढेर पक्की तथा झोलुंगे पुल, नेपाल-चीन व्यापारके प्रमुख नाका रसुवागढी, टिमुरे बजार, स्याफ्रुबेँसीसहितके बजारके नामोनिसान मेटल । जलविद्युत् क्षेत्रमे अपूरणीय क्षति हुइल । उच्च हिमाली क्षेत्रमे तीव्र रूपमे तापमान वृद्धिसे हिमपहिरो ओ हिमताल फुट्ना क्रम बह्दल बा । उलगत्ते दसैँतिहारसहित महत्वपूर्ण पर्वके तयारीमे रहल नागरिकहे औरे विपत्ति लपेटल ।

विसं २०८३ कुँवार २५ गते अँट्वारके रोज गोरखाके उत्तरी हिमाली भूभागसे बुढीगण्डकी नदीमे लेदोसहितके बाढ आइल । ल्हेन्देखोलाके जलप्रलयके झल्को डेना बुढीगण्डकी नदीके बाढ हिमाली तथा नदी तटीय

> **नीतिगत ओ कानुनी सुधारके लाग उच्चस्तरीय आयोग बहाके नदी, खोला संरक्षणके लाग काम आघे बह्दाइ परठ । अतिवृष्टिके बेला सिन्धुपाल्चोक ओ काठमाडौँके शिरमे आसपासके जलाधार क्षेत्रसे अइना पहिर, रुखपात तथा भग्नावशेषसे ड्यामके ५० फिट लम्मा ओ २० फिट फराकिलो पानी फँक्ना प्याल थुने सेकि । निकास बन्द होके बाँधउप्परसे पानी बहे लागठ, उहिनसे ढुंगसासे बनल ड्याम भसक्के सुन्दरीजल तथा काठमाडौँ उपत्यकाके तल्लो भागमे गम्भीर बाढके खतरा आइ सेकि । यकर अतिरिक्त अइसिन खुला तथा संवेदनशील पूर्वाधार सम्भावित सुरक्षा संवेदनशीलताके दृष्टिसे फेन उच्च जोखिम रहठ । टबेमारे करोडौँ रुपियाँ खर्चाकैके निर्मित संरचनासे मुख्य उद्देश्य हासिल करे नैसेकल ओ यकर प्रयोग केवल अभिजात वर्गके मनोरञ्जन तथा पिकनिक स्थलमे सीमित होके प्रकृतिउप्पर भारी असर निम्तठ । टबेमारे काठमाडौँवासीके शिरमे झुलल खतराके तरबारके उचित व्यवस्थापन समयमे करे परल ।**

विपत्तिके इतिहासके औरे भयानक ओ त्रासदीपूर्ण घटना हो । गोरखाके चुमनुब्री गाउँपालिकाके उप्रेक भागमे हिमपहिरो ओ भूक्षायपाछे स्यारखोलासँगे बुढीगण्डकीके बहाब थुनल । चुमनुब्रीसे धार्चे, आरुघाट, धादिङके सल्यानटार तथा बेनीघाट ओ त्रिशूली दोभानसम नदीआसपासके सब संरचना ध्वस्त हुइल । पूर्वसूचनासे जनधनके क्षति हुइ नैपाइल तथापि कुछ नागरिक बेपत्ता बटैं । राज्य तत्काल उद्धार ओ राहतके काम आघे बह्दल नागरिकके पीडामे मलमपट्टी करले बा । यी दुई घटनासे भारी शिक्षासँगे विपत्के खतराहे संकेत करले बा । प्राकृतिक रूपमे निर्मित हिमताल ओ नदीसे उत्पन्न खतरासे नदीखोला किनारसे विकास हुइल सभ्यता जोखिममे परल बा । जोखिममे रहल कहल ४७ ठो हिमतालके वास्तविक धरातलीय सूचना नैआके नागरिकमे त्रास पलि बा । ओहेउप्पर वर्षा नैहोके बाढसे तटीय क्षेत्रके बस्ती सोहोरलपाछे औरभारी संशय ओ चुनौती थपल बा ।

### धाप ड्याम ओ काठमाडौ उपत्यका

विसं २०८३ भदौ १० गते हिउँके चट्टान गिरके ल्हेन्देखोला हुइटि भोटेकोशीमे बाढ आइल घटनामे पीडा भुले नैपाके काठमाडौँ उपत्यकाके शिरमे रहल धाप ड्यामके उत्तरओर पहिरो गैल । पहिरोके खबरसे काठमाडौँ उपत्यकावासीमे सन्त्रासके छाप छोरल । पहिरो छोट रहल ओरसे सिन्धुपाल्चोकके मेलम्चीस्थित हैबुङ बस्तीके नागरिक फेन त्रासमे परल । ड्यामके पानीके निकास रहल पाइप ओ तारजालीसहितके पर्खाल गिरना अवस्थामे पुगल । अब्बे मर्मत करल बा । पहिलेकसे तरेसम पाइप लगाके पानीके निकास जैना संरचना बनाइल बा मने जोखिम कम हुइल नैहो । इन्जिनियर ओ प्राविधिकसहित स्थलगत अनुगमनमे पुगके मानवनिर्मित संरचनासे निम्त्यइना खतराहे लग्गेसे अध्ययन करलपाछे यी आलेख तयार करल हो ।

रुसमे ड्यामसम्बन्धी अध्ययन ओ भन्डे पाँच दशक बाँधके सन्दर्भमे परामर्शदाताके जिम्मेवारीमे काम करल वरिष्ठ इन्जिनियर रविप्रसाद राजभण्डारीके अनुसार शिवपुरी ओ नागार्जुन क्षेत्रमे अवस्थिति धाप बाँध बागमती नदीमे सुक्खायाममे पानी पठाके नदीके बहाब ओ स्वच्छता बह्दैना लक्ष्यके साथ शिवपुरी-नागार्जुन क्षेत्रमे २४ मिटर उचाइ रहना मेरिक निर्माण करलेसे फेन प्रभावहीन होके ओ उच्च जोखिम सिर्जना होके यी सन्दर्भमे प्रश्न उठल ओ । इन्जिनियर राजभण्डारीसे व्यावहारिक कार्यान्वयनमे यकर नतिजा सोचल अनुसार नैडेखाइल ओरसे वैकल्पिक जलाधारके सन्दर्भमे विमर्श करना आवश्यक रहल बटैलैं ।

राज्यके ओरसे भूगर्भविद्, इन्जिनियर, सडक ओ नदीसम्बन्धी विपत् व्यवस्थापनके प्राविधिकसे भदौ २६ गते स्थलगत अध्ययन करल बा । जलस्रोत तथा सिँचाइ विभागके टोली फेन स्थलगत अध्ययन करल बा । सम्बन्धित प्राविधिक टिमसे करल अध्ययनमे ड्यामके संरचनामे क्षति नैहुइल कारण ड्याम फुट्ना ओ तटीय क्षेत्रमे जोखिम नैरहल प्रस्ट पारल बा मने खतरा कम हुइल नैहो । अतिवृष्टिसे ड्याममे पानी भरे सेकि । आसपासके क्षेत्रमे पहिरोके जोखिम बा । आठ लाख ५० हजार घनमिटर पानी जम्मा हुइना ड्यामसे असाधारण परिस्थिति नन्ना सम्भावनाहे कम आकलन करे नैमिलठ । पहिरो गैल क्षेत्रमे पानीके निकास बा । अस्थायी ड्रेन बनाके पानीके निकासके मार्ग बनैलेसे फेन उहिनसे खतरा कम करे नैसेकि । अत्यधिक भिरालो क्षेत्रमे पहिरोके जोखिम रहठ । ५१ करोड रुपियाँसे ढेरके लागतमे निर्मित अप्राकृतिक पोखरी वा ड्यामके कारण काठमाडौँ उपत्यकामे काहे त्रास सिर्जना हुइटा ? यी प्रश्नमे सब गम्भीर बने परठ । २५ अर्ब रुपियाँ अर्थात् १८९ मिलियन अमेरिकी डलरके लागतमे नागमतीमे ९५ मिटर ढेंग ड्याम बनैना सन्दर्भमे अध्ययन हुइटि बा । योजना कार्यान्वयन करेबेर राष्ट्रिय निकुञ्जभित्तरके करिब ८५ हजार रुख काछल ओ हजारौँ रोपनी जग्गा पानीमुनि परना स्थिति सिर्जना हुइठ । टबेमारे कौनो संरचना बनैनापूर्व यकर लगानी, प्राकृतिक ओ वातावरणीय प्रभावहे सूक्ष्म ढंगसे हेरे परठ । हतारमे बनैना, उहिनसे विपत्ति निम्तना ओ फुर्सदमे पछुटैना कार्य सर्वथा अनुचित रहठ ।

### बागमतीमे स्वच्छ पानी

लिबियामे सन् २०२३ मे बाँध भसक्के राजधानीके टमान क्षेत्र बगर जस्टे बनल । सिक्किममे बाँध भसक्के टिस्टा नदीसे भीषण विनाश निम्त्याइल घटना ताजे बा । ओस्टेक धाप ड्याम निर्माणके लक्ष्य जत्रा सुन्दर ओ प्रस्ट रलेसे फेन यिहिनसे निम्तना खतरा एकडम कुरूप हुइ सेकि । काठमाडौँ उपत्यकाके भारी भाग प्रभावित होके सांस्कृतिक ओ प्राचीन धरोहरउप्पर भारी खतरा निम्ते सेकि । सुक्खायाममे गौरीघाटमे प्रतिसेकेन्ड चार सय लिटर पानी बहैना सुनिश्चित नैहुइल ओ वातावरणीय रूपमे विनाशकारी हुइना निष्कर्षसहित व्यापक विरोध ओ प्राविधिक विश्लेषण सार्वजनिक हुइलपाछे नागमती ड्यामके निर्माण कार्य स्थगित जस्टे बा । नागरिकस्तरसे २५ अर्ब रुपियाँ काहे खर्च करना कना प्रश्न उठलपाछे यकर अध्ययन कार्य रोकल बा । स्वच्छता ओ पानी बहाबके वैकल्पिक उपाय बागमतीहे पुनर्जीवित बनैना भारी ओ जोखिमपूर्ण बाँधके विकल्पमे सरल, कम खर्चिलो ओ प्राकृतिक इन्जिनियरिङ *(बाँकी ३ पेजमे)*

**जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:**

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

*नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।*

प्रो.रमेश चौधरी
**केभी मासु पसल**
बैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

**एम्बुलेन्स नम्बर**
९८३४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०३८५
**प्रहरी**
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१९५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्दुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९९-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
**बैक**
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बङ्गलादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल इन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
**सरकारी कार्यालय**
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२१५०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
**अस्पताल**
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
**होटल**
डिभोटी ०९१-५२३९९८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
**शैक्षिक संस्था**
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
**राजनैतिक पार्टी**
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२५११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
**एफ.एम**
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

# विद्यालय शिक्षा विधेयक बहस: नि:शुल्क ओ गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चिततामे जोड

**पहुरा समाचारदाता**

**काठमाडौँ, १५ कार्तिक ।** संविधानसे प्रत्याभूत करल नि:शुल्क ओ गुणस्तरीय शिक्षाके अधिकारहे सुनिश्चित कैना करके विद्यालय शिक्षा विधेयक ल्याइकपर्नामे सांसद, नीति निर्माता, विज्ञ ओ अधिकारकर्मीके साझा जोड रहल बा ।

शिक्षाके लग राष्ट्रिय अभियान (एनसिइ) नेपालके १७औँ वार्षिक साधारणसभाके अवसरमे आज यहाँ आयोजित प्रस्तावित विद्यालय शिक्षा विधेयकउप्परके बहसमे वक्ताहुकनसे सार्वजनिक शिक्षा राज्यके दायित्व हुइकपर्ना, शैक्षिक सुसञ्चालनमे केन्द्र, प्रदेश ओ स्थानीय तहके स्पष्ट अधिकार बाँडफाँट हुइकपर्ना ओ शिक्षामे पर्याप्त बजेट विनियोजन हुइकपर्ना बटैले बटै ।

कार्यक्रमके उद्घाटन करटी राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगके अध्यक्ष तपबहादुर मगरसे विगतके तुलनामे शिक्षामे सुधार हुइलफे पर्याप्त नैहुइल विषयमे आइल सुझावहे नीति निर्मातासे ग्रहण करेकपर्ना बटैले बटै । उहाँसे शिक्षामे बालमैत्री, समावेशीता,




विद्यालय सुरक्षा ओ न्यूनतम् पूर्वाधारके उपलब्धता हुइक पर्नामे जोड डेले बटै ।

राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टीसे निर्वाचित प्रतिनिधिसभा सदस्य कुसुम महर्जनसे शिक्षाके सुधार सक्कु दायित्व हो कहटी भावनाके साथ काम कैना आग्रह करटी सरकार ओ संसद्से करेकपर्ना कामके लग अपनहुकनके ओरसे सेक्ना सजीकरण हुइना प्रतिबद्धता व्यक्त करल बटै । उहाँसे विधेयकमे समावेश हुइकपर्ना विषयसे घनीभूत संवाद कैना ओ सक्कु न्यायके अनुभूति डेना अपनाइकपर्ना उपायबारे सुझाव डेना आग्रह करल बटै ।

नेपाली कांग्रेससे निर्वाचित प्रतिनिधिसभा सदस्य डा प्रमिलाकुमारी गच्छदार शिक्षामे कुल बजेटके कम्तीमे २० प्रतिशत विनियोजन हुइकपर्ना ओ सरोकारवाला पक्षसे उठाइल विषय सम्बोधन हुइकपर्ना बटैले बटै । नेकपा (एमाले) से निर्वाचित प्रतिनिधिसभा सदस्य गुरुप्रसाद बरालसे सरकारसे सही ढङ्गसे विद्यालय शिक्षा विधेयक ल्यानलमे अपने यिहीहे थप कार्यान्वयनमुखी बनैना प्रयास कैना बटैले बटै ।

एमालेसे निर्वाचित प्रतिनिधिसभा सदस्य साजिदा खातुन सिद्धिकीसे विधेयक निर्माणमे कुछ बाहिरी पक्ष हावी हुइना नैहुइनामे जोड डेहटी बालश्रमके स्पष्ट व्याख्या करल माग करले बटै । बागमती प्रदेशसभाके सदस्य हरिप्रभा खड्गीसे तीन तहबीचके अधिकारके बाँडफाँटमे रहलके अन्योल हट्केपर्ना ओ नीति निर्माणमे कर्मचारीतन्त्र हावी हुइ नैहइना बटैले बटै ।

शिक्षा ओ खेलकुद मन्त्रालयके सहसचिव शिवकुमार सापकोटासे नेपालके संविधानके मर्म ओ सरोकार हुइल पक्षसे प्राप्त सुझावहे समेटके विधेयक ल्यानल जानकारी करल बटै । उहे मन्त्रालयके पूर्वसचिव बालानन्द पौडेलसे शिक्षाके नीतिगत पक्ष केन्द्र सरकारके ओ विद्यालय शिक्षाके सञ्चालन/व्यवस्थापन स्थानीय तहके हुइल ओकरहे थप स्पष्ट कैना सुझाव डेले बटै ।

शिक्षाविद् प्रा डा विद्यानाथ कोइरालासे हरेक स्थानीय तहसे अनिवार्य ओ नि:शुल्क शिक्षाके संविधानके व्यवस्था कार्यान्वयन हुइ सेक्ना किटानी अब ल्यानल विधेयकसे करेकपर्ना बटैले बटै । शिक्षाविद् प्रा डा बालचन्द्र लुइँटेलसे जनसांख्यिक अवस्थाके विश्लेषण करटी शिक्षामे स्रोतके पुन: व्याख्या करल बटै । नेपाल शिक्षक महासंघके अध्यक्ष सुन्दर पन्तसे विद्यालय सुधारमे शिक्षकके कमजोरी कहटी सोचसे उप्पर उठ्ना आग्रह करटी विधेयकमे ट्रेड युनियन अधिकारके सम्मान हुइकपर्ना माग करले बटै । राष्ट्रिय अपाङ्ग महासंघके प्रवक्ता गिरिधारी सुवेदी अपाङ्गता हुइल विद्यार्थीहे सहजरुपमे पढ्न पाइना अधिकारके कार्यान्वयन हुइकपर्ना बटैले बटै ।

एनसिइ नेपालके अध्यक्ष लवराज ओलीसे हालसम ४६ जिल्लामे सञ्जाल हुइल ओ ५५० सदस्य रहेलके अपनके अभियानसे सक्कु पक्षके सुझाव समेटके सरकारहे विधेयकबारे सुझाव डेना जानकारी डेले बटै । कार्यक्रममे एनसिइ नेपालके उत्कृष्ट जिल्ला सञ्जालके रुपमे रुपन्देही जिल्ला समितिहे सम्मानित करल रहे ।

**अन्तर्राष्ट्रिय**

## भारतसे अपन नेभिगेसन प्रणाली सुदृढ परना नयाँ उपग्रह प्रक्षेपण



**काठमाडौँ, १५ कार्तिक ।** भारत अपन स्वतन्त्र नेभिगेसन प्रणाली 'नेभिगेसन विथ इन्डियन कन्स्टेलेसन' (नाभिक) हे सुदृढ परना उद्देश्यसे नयाँ पुस्ताके नेभिगेसन उपग्रह सफलतापूर्वक प्रक्षेपण करले बा ।

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन (इसरो) के अनुसार 'एनभीएस-०३' नामक उपग्रहहे जीएसएलभी-एफ१८ रकेटमार्फत आन्द्र प्रदेशके श्रीहरिकोटास्थित सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्रसे स्थानीय समयअनुसार शुक्के रात ११:५१ बजे प्रक्षेपण करल हो ।

इसरो सामाजिक सञ्जाल एक्समे लिख्ले बा, "जीएसएलभी-एफ१८ एनभीएस-०३ हे सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षमे स्थापित करले बा ।"

भारतके विज्ञान तथा प्रविधिमन्त्री जितेन्द्र सिंह यी सफलताके लाग इसरोके वैज्ञानिकहे बधाई डेटि यिहिनसे अन्तरिक्ष प्रविधिमे भारतके बह्दल क्षमता ओ स्वदेशी नेभिगेसन प्रणालीहे सुदृढ परना प्रतिबद्धता झल्कल बटैले बटै ।

इसरोके अनुसार जीएसएलभी-एफ१८ भारतके भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलभी) के २०औँ उडान हो ।

नयाँ पुस्ताके नेभिगेसन उपग्रह शृंखलाअन्तर्गतके तेसर उपग्रह एनभीएस-०३ भारतीय क्षेत्रीय नेभिगेसन उपग्रह प्रणाली (आईआरएनएसएस) अन्तर्गत प्रदान करना नेभिगेसन सेवाके निरन्तरता सुनिश्चित करना अपेक्षा करल बा ।

## अर्नबके असर कमजोर, बंगालके खाडीमे दुसर प्रणाली विकसित

**काठमाडौँ, १५ कार्तिक ।** अर्नब चक्रवातके असर न्यून हुइटी गैल बेला बंगालके खाडीमे दुसर न्यून चापीय प्रणाली विकसित हुइल बा । यी नयाँ प्रणाली भर अर्नबस कमजोर डेखल बा ।

भारत मौसम विज्ञान विभागके अनुसार अक्टोबर ३१ अर्थात् कार्तिक १४ गतेसम २२ किलोमिटर प्रतिघण्टाके गतिमे पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशाओर सरल रहे । अक्टोबर ३१ के रात ११:३० बजे भारतीय समयअनुसार यी बंगालके खाडीके दक्षिणपूर्वी क्षेत्रमे १०.९ डिग्री उत्तरी अक्षांश ओ ८७.५ डिग्री पूर्वी देशान्तरमे केन्द्रित रहे ।

उ बेला यी चेन्नईसे ८३० किलोमिटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, विशाखापट्टनमसे ८८० किलोमिटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व, मछलीपट्टनमसे ९०० किलोमिटर दक्षिणपूर्व ओ ओङ्गोलसे ९५० किलोमिटर पूर्व-दक्षिणपूर्वमे रहल रहे ।

भारतीय मौसम विज्ञान विभागके पूर्वानुमानअनुसार यी प्रणाली नोभेम्बर १ अर्थात् कार्तिक १५ के दुपहरसम बंगालके खाडीके दक्षिणपश्चिमी तथा उ संग जोरल दक्षिणपूर्वी क्षेत्रमे गहिर न्यून चापीय प्रणालीमे परिणत रहे नोभेम्बर १ के मध्यरातसम चक्रवाती आँधी ओ नोभेम्बर २ मे पश्चिममध्य बंगालके खाडीमे शक्तिशाली चक्रवाती आँधीमे विकसित हुइना सम्भावना बा ।

यी आँधी नोभेम्बर ३ के बिहान सबेरे दक्षिण आन्द्र प्रदेशके तटीय क्षेत्रलगे पुग्न ओ बिहान नेल्लोर तथा नरसापुरबीचके तटीय क्षेत्रसे जमिनमे प्रवेश कैना अनुमान करल बा ।

आँधी जमिनमे प्रवेश कैना समयमे हावाके गति प्रतिघण्टा १०० से ११० किलोमिटरसम पुगे सेक्ना तथा झोक्कासहितके अधिकतम गति १२० किलोमिटर प्रतिघण्टासम पुगे सेक्ना विभागके पूर्वानुमान बा ।

यी आघे अक्टोबर ३१ के साँझ ५:३० बजे भारतीय समयअनुसार सार्वजनिक करल विवरणमे उ प्रणाली पछिल्का ६ घण्टामे ३० किलोमिटर प्रतिघण्टाके गतिमे पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशाओर सरल जनाइल रहे । उ बेला यी १०.५ डिग्री उत्तरी अक्षांश ओ ८८.६ डिग्री पूर्वी देशान्तरमे केन्द्रित रहे ।

पछिल्का अद्यावधिक विवरणमे प्रणालीके केन्द्र पश्चिम-उत्तरपश्चिमओर सरके यकर अवस्थिति परिवर्तन हुइल डेखल बा । विभागसे आँधीके विकासक्रम ओ सम्भावित मार्गबारे निरन्तर निगरानी करटी रहल जनाइल बा ।

**अर्नबसे कमजोर**

अब्बेक न्यून चापीय प्रणाली अर्नब चक्रवातसे कमजोर बा । अर्नब चक्रवात बंगालके खाडीसे जमिनसम पुग्न सात दिन लागल रहे । यी अवधिमे ढेर जलवाष्पयुक्त हावा बिटोरके अर्नब शक्तिशाली बनल रहे ।

मने अब्बेक प्रणाली तीन दिनमे जमिनमे पुगल ओरसे यिहीसे अर्नबके तुलनामे कम जलवाष्प बोकल भारतके मौसम तथा जलवायु विश्लेषण कैना निजी संस्था स्काईमेटसे जनैले बा ।

टबमारे यि अर्नब जस्टे ढेर पानी नैपर्ना विश्लेषण करल बा ।

**नेपालमे असर परी ?**

अर्नबके असरसे नेपालमेफे कार्तिक १२, १३ ओ १४ गते वर्षा ओ हिमपात कराइल रहे । मने, अर्नब पाछेक नयाँ प्रणालीके असर नेपालमे कब परी वा असर नैपरी कनाबारे अब्बे निश्चित हुसेकल नैहो ।

भारतके मौसमविदसे नेपालसंग सिमाना जोरल उत्तर भारतके बिहार राज्यसम यकर असर डेखल जनैले बटै ।

नेपाल मौसम विज्ञान विभागके मौसम पूर्वानुमान महाशाखाके मौसमविदसे पछिल्का मौसमी प्रणालीहे लग्गेसे नियल्टी रहल जनैले बटै । ओकर नेपालमे खासे असर नैडेख्ना मौसमविदके कहाई बा । मौसम पूर्वानुमान महाशाखाके मौसमविद् डेभिड ढकाल कहलै, 'यिहीसे खासे असर कैना जैसिन नैडेखठ । यैसिन हुइटी रहठ । ओसिन ढेर इम्प्याक्ट कैना जैसिन नैडेखठ ।'

## बागमतीमे...

उपाय अपनाइ सेकि । उ का हो ?

पहिल, बर्सातके पानी पुनर्भरण हो । उपत्यकाके घर तथा सार्वजनिक भवनमे परना आकासे पानीहे इनार वा खाली जग्गामे निर्माण करल भारी पोखरीमे गिराके पुनर्भरण करलेसे सुक्खायाममे उ पानी स्वत: बागमती ओ विष्णुमतीमे बहे लागठ । दोसर प्रशोधित ढल, फोहोर पानीके पुन: प्रयोग । मेलम्चीसे अइना पानीके उपभोगपाछे निकरके खेर जैना (वेस्ट वाटर) हे शुद्धीकरण कैके बागमतीमे छोरे सेक्जाइ । तेसर, अन्तर्राष्ट्रिय सफल अभ्यासके अनुसरण । 'वाटरम्यान अफ इन्डिया' डा. राजेन्द्र सिंह ओ उहाँक संस्था तरुण भारत संघसे ६० वर्षसे सुखल भारतके राजस्थानके अर्वारी नदीसहित १२ ठोसे ढेर नदीहे परम्परागत तथा प्राकृतिक इन्जिनियरिङ प्रविधिमार्फत पुनर्जीवित बनाइल । वार्षिक केवल १५० मिलिलिटर वर्षा हुइना मरुभूमिमे नदी बहाइ सेकि कलेसे वार्षिक एक हजार ३५० मिलिलिटरसे ढेर वर्षा हुइना काठमाडौँमे सही व्यवस्थापन कैके भारी बाँधबिना बागमतीमे निरन्तर सफा पानी बहैना सम्भव बा ।

नीतिगत ओ कानुनी सुधारके लाग उच्चस्तरीय आयोग बहाके नदी, खोला संरक्षणके लाग काम आघे बहाइ परठ । अतिवृष्टिके बेला सिन्धुपाल्चोक ओ काठमाडौँके शिरमे आसपासके जलाधार क्षेत्रसे अइना पहिर, रुखपात तथा भग्नावशेषसे ड्यामके ५० फिट लम्मा ओ २० फिट फराकिलो पानी फँक्ना प्वाल थुने सेकि । निकास बन्द होके बाँधउप्परसे पानी बहे लागठ, उहिनसे ढुंगासासे बनल ड्याम भसक्के सुन्दरीजल तथा काठमाडौँ उपत्यकाके तल्लो भागमे गम्भीर बाढके खतरा आइ सेकि । यकर अतिरिक्त अइसिन खुला तथा संवेदनशील पूर्वाधार सम्भावित सुरक्षा संवेदनशीलताके दृष्टिसे फेन उच्च जोखिम रहठ । टबेमारे करोडौँ रुपियाँ खर्चाकैके निर्मित संरचनासे मुख्य उद्देश्य हासिल करे नैसेकल ओ यकर प्रयोग केवल अभिजात वर्गके मनोरञ्जन तथा पिकनिक स्थलमे सीमित होके प्रकृतिउप्पर भारी असर निम्तठ । टबेमारे काठमाडौँवासीके शिरमे झुलल खतराके तरबारके उचित व्यवस्थापन समयमे करे परल ।

*साभार: गोरखापत्र दैनिकसे*


## श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

**श्रम तथा रोजगार कार्यालय**

धनगढी, कैलाली



## पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

**उपचार हुने रोगहरू**

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गौं रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श



**डा. सुमन चौधरी**

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



**२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार**

**ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म**

धनगढी
**संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.**

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

# नेपाल आपुग्लै ७ देशके कन्टेन्ट क्रिएटर, पोखरा, चितवन ओ बर्दिया जैना

**काठमाडौं, १५ कार्तिक ।** नेपाली पर्यटनहे अन्तर्राष्ट्रिय डिजिटल प्ल्याटफर्म टिकटक मार्फत् प्रवर्द्धन कैना उद्देश्यसे नेपाल पर्यटन बोर्ड ओ टिकटकके सहकार्यमे ७ देशके ट्राभल कन्टेन्ट क्रिएटर नेपाल आइल बटै ।

फ्रान्स, पोर्चुगल, ट्युनिसिया, दक्षिण कोरिया, यूएई, बंगलादेश ओ श्रीलंकाके क्रिएटरहे नेपालके प्राकृतिक सौन्दर्य, सांस्कृतिक सम्पदा, साहसिक गतिविधि तथा पर्यटनके विविध अनुभव विश्वभरके दर्शकमाझ पुगैना उद्देश्यसे ओइनहे नेपाल बोलाइल हो ।

ओइने मध्ये यूएई ओ ट्युनिसियाके क्रिएटर ३ जाने फ्लाई दुबईके जहाजसे सिधा पोखरा अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थलमे उटरल रहिट । ओइनहे पर्यटन बोर्डसे पोखरामे स्वागत करले बा । अन्य क्रिएटरहे त्रिभुवन अन्तर्राष्ट्रिय विमानस्थल काठमाडौंमे स्वागत कैगिल बा ।

कार्यक्रम अन्तर्गत क्रिएटरसे पोखरा, चितवन ओ बर्दियाके प्रमुख पर्यटकीय गन्तव्य भ्रमण करके वहाँक आकर्षण, स्थानीय जीवनशैली, संस्कृति, प्रकृति ओ पर्यटन गतिविधि सम्बन्धी भिडियो तथा डिजिटल सामग्री उत्पादन करही ।

ओइने टिकटक सहित सामाजिक सञ्जाल मार्फत उ सामग्री सार्वजनिक करटी नेपालहे अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकीय गन्तव्यके रूपमे चिन्हैना सहयोग कैना बोर्डके वरिष्ठ प्रबन्धक



सूर्य थपलिया बटैलै ।

बोर्ड ओ टिकटकबीच यी आघे सन् २०२५ अगस्ट १९ मे नेपालके पर्यटनहे विश्वव्यापी रूपमे प्रवर्द्धन कैना उद्देश्यसे समझदारी पत्रमे हस्ताक्षर करल रहे ।

उ सहकार्य अन्तर्गत सुरु करल अभियानसे नेपालके हिमाली सौन्दर्य, सांस्कृतिक सम्पदा, साहसिक पर्यटन ओ स्थानीय जीवनशैलीहे टिकटकके छोट भिडियो मार्फत विश्वभरके दर्शकमाझ पुगैना लक्ष्य राखल बा ।

बोर्डके वरिष्ठ प्रबन्धक थपलिया कहलै, 'अभियानमे अन्तर्राष्ट्रिय तथा नेपाली कन्टेन्ट क्रिएटरहे सहभागी करैना ओ ओइनहे नेपालके टमान गन्तव्यके अनुभव कराके सामग्री उत्पादन कैना प्रोत्साहित कैना बा, यैसिक उत्पादन करल सामग्रीहे टिकटक मार्फत् प्रवर्द्धन कैना बा ।'

यी सहकार्यहे प्रभावकारी बनैना २०२६ मेफ डिजिटल पर्यटन प्रवर्द्धनके गतिविधिहे निरन्तरता डेहल वरिष्ठ प्रबन्धक थपलिया बटैलै ।

यी आघे जुन २४ से २६ सम काठमाडौंमे बोर्ड ओ टिकटकके संयुक्त आयोजनामे तीन दिने ट्राभल कन्टेन्ट क्रिएसन कार्यशाला सम्पन्न हुइल रहे ।

उ कार्यशालामे पर्यटन व्यवसायी, डिजिटल क्रिएटर, पदयात्रा व्यवसायी, पर्वतारोही तथा पर्यटन क्षेत्रके सरोकारवालाहे डिजिटल स्टोरीटेलिङ, भिडियो निर्माण ओ सामाजिक सञ्जाल मार्फत गन्तव्य प्रवर्द्धनके लाग प्रशिक्षण डेहल रहे ।

यी पालि भ्रमणमे सहभागी हुइना क्रिएटरमध्ये बंगलादेशके अनिर्बान कैसर, श्रीलंकाके कसुन सम्पथ देगोडा गमागे, ट्युनिसियाके बाल्किस कसौरी ओ मोहम्मद जेमिल बेरी ओ यूएईके मोहम्मद नाबिलसे पोखराके पर्यटकीय आकर्षणहे प्राथमिकतामे धारके सामग्री निर्माण करही ।

फ्रान्सके जेरेमी ब्युडेट चितवन पुगके वहाँक वन्यजन्तु, निकुञ्ज तथा थारू संस्कृति ओ प्रकृतिमे आधारित पर्यटन अनुभव समेटही । ओस्टेक करके पोर्चुगलके ड्यानियल रोक्स पिन्टो ओ दक्षिण कोरियाके वङ्यु लीसे बर्दियाके प्राकृतिक वातावरण, वन्यजन्तु तथा समुदायमे आधारित पर्यटनके सम्भावनाहे अपन सामग्री मार्फत प्रस्तुत करही ।

भ्रमणके क्रममे क्रिएटरसे सम्बन्धित गन्तव्यके प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक विशेषतासंगे स्थानीय पर्यटन व्यवसाय, आतिथ्य सेवा, खानपान, साहसिक गतिविधि ओ पर्यटकसे लेहे सेक्ना मौलिक अनुभव समेत समेटके सामग्री उत्पादन कैना वरिष्ठ प्रबन्धक थपलियाके कहाई बा ।

डिजिटल माध्यमसे पर्यटकीय गन्तव्य प्रचार कैना अभियानसे वास्तविक यात्रा अनुभव, दृश्य ओ व्यक्तिगत कथामार्फत सम्भावित पर्यटक आकर्षित कैना मद्दत कैना विश्वास करल बा ।

विशेष करके युवापुस्तामाझ लोकप्रिय टिकटकमे प्रसारण हुइना छोट भिडियोसे नयाँ गन्तव्य पहिचान विस्तार कैनाके साथे पर्यटकहे गन्तव्य यात्राके लागल निर्णयमे समेत सहयोग पुग्न अपेक्षा करल बा ।

नेपालके पर्यटन प्रवर्द्धनमे डिजिटल प्ल्याटफर्म ओ सिर्जनात्मक सामग्री प्रयोगहे प्राथमिकता डेटी आइल बोर्ड अन्तर्राष्ट्रिय क्रिएटरसँगके सहकार्यहे नेपालके पर्यटन कथा विश्व बजारमे पुगैना प्रभावकारी माध्यमके रूपमे आघे बह्राइल बा ।

यिहीसे पोखरा, चितवन ओ बर्दियाजस्टे स्थापित तथा सम्भावनायुक्त गन्तव्यके अन्तर्राष्ट्रिय प्रबर्द्धनमे टेवा पुगनाके साथे स्थानीय पर्यटन व्यवसाय ओ समुदायहे समेत लाभ पुग्न अपेक्षा करल बा ।

नेपालके हिमाल, प्रकृति ओ संस्कृतिहे विश्वके टमान देशके दर्शकमाझ पुगैना यी पहलसे डिजिटल पर्यटन प्रवर्द्धनहे थप विस्तार कैना विश्वास बोर्डसे लेहल बा ।

# चाडपर्वमे चम्कठ माटिक भाँडाके बजार

**जनकपुरधाम, १५ कार्तिक ।** डेवारी ओ छठके पूर्व सन्ध्यामे जनकनन्दनी गाउँपालिका-४ खजुरीके कुमाल डिया, कलश, घैंटो, हाँडी, धुपौरो, हात्ती, कोसिया, कुर्वार, मट्का बनैना व्यस्त बटै ।

सकारे सखारैसे साँझ अबेरसम ओइने माटीक ओ चक्रमे व्यस्त भेटठै । केक्रो हात माटी मुछ्नमे जुटल बटै कलेसे चक्र घुमैटी माटीक डल्लाहे आकार डेटी रहल बटै । चाडपर्वके रौनकसंगे उ बस्तीके कुम्हाल समुदायके घरआँगनमे माटीक सामग्री बनाइल हेरुइयाफे भेटे लागल बटै ।

वर्षभर सुस्त रना माटीक सामग्रीके कारोबार डेवारी ओ छठके समयमे कुछ बहना आशास ओइने अब्बे ओइने उत्पादनमे केन्ित बटै । "कारोवार वर्षभर सुस्त रहठै, चाडपर्वके समयमे केल्ह बिक्री हुइठ", खजुरीके पूतम पण्डित कहलै, "टबमारे अब्बे पाला बनैना हम्रे व्यस्त बटी ।"

ओइनके लाग यी समय केवल चाडपर्वके तयारी केल्ह नाही, वर्षभर थन्कल पेसास कुछ आम्दानी कैना अवसर फे हो ।

"यी हमार पसिना ओ मेहनतसंग परिवारके जीविका तथा पुख्यौंली पेसाके निरन्तरताफे जोरल हो," स्थानीय सुन्दर पण्डिल कहलै, "हमार लाग माटी केवल कच्चा पदार्थ नाही, पुस्तौंसे हस्तान्तरण हुइटी आइल सीप, संस्कृति ओ पहिचानके आधार हो ।"

"डसिया सेकल लगटे माटीक भाँडा बनैना काममे लागल रहठी," अयोधि पण्डित कहलै, "अब्बे माटीक भाँडा बेचके मजा आम्दानी हुइना ओरसे और काम थाती राखके यम्ने लागल हुई ।" डसियासे छठसममे माटीक भाँडा बेचके सक्कु खर्च कटाईबेर रु एक लाखसम आम्दानी हुइना उहाँ बटैलै ।

चाडपर्वमे माटीक सामग्रीके माग बह्रलेसेफे वर्षभर यिहे पेसासे परिवारके खर्च धान्न सहज नैहुइल कुमाल समुदायके अगुवा रामनारायण पण्डित बटैलै ।

प्लास्टिक, स्टिल, आल्मुनियम ओ अन्य आधुनिक सामग्रीसे बजारमे स्थान विस्तार करटी जाके परम्परागत माटीक भाँडाकुँडाके प्रयोग घटटी गैल बा । यिहीसे माटीसंग जीवन बिटाइल कुमाल समुदायहे अपन पेसा जोगैना ओ नयाँ पुस्ताहे यि प्रति आकर्षित कैना चुनौती थपल उहाँक कहाई बा ।

"कौनो समय घरघरमे माटीक भाँडाकुँडा प्रयोग कैना चलन रहे, पानी रख्न घैंटो, खाना पकैना हाँडी, पूजा कैना कलश ओ डेवारीमे घरआँगन ओजरार बनैना डिया अनिवार्यजस्टे मानजाए," रामनारायण कहलै, "मने, अब्बे उ स्थान क्रमशः आधुनिक सामग्रीसे लेहे लागल बा । चाडपर्वमेफे माटीक सामग्रीके प्रयोग सीमित हुइटी जैना परम्परागत पेसामे निर्भर परिवारके आम्दानी प्रभावित हुई लागल बा ।"

बजारमे प्लास्टिकके सामग्रीके चमक बह्रटी करेबेर माटीसंग जोरल परम्परागत पेसाके ओजरार बुटे नैडेना राज्य, स्थानीय सरकार ओ उपभोक्ता सक्कुहुनके साथ आवश्यक डेखल कुमाल समुदायके कहाई बा ।

# गोदावरीके उखुबारीमे डमरू हुर्काइटी बाघ, त्रासमे स्थानीय !



**पहुरा समाचारदाता**

**धनगढी, १५ कार्तिक ।** कैलालीके गोदावरी नगरपालिका-६ लालपुरस्थित रामजानकी टोलमे बच्चासहितके बाघ उखुबारीमे नुकल बैठलपाछे स्थानीयवासी त्रसित बनल बटै । बाघसे गाउँमे पैठके घरपालुवा जनावरउप्पर आक्रमण करना सुरु हुइ लगलपाछे स्थानीयमे थप डर फैलल बा ।

स्थानीयके अनुसार विजयादशमीके एक दिनआघेसे मोहनबहादुर खड्काके घरसँगे जोरना उखुबारीमे बाघ डेखल हो । बच्चासहितके बाघ उखुबारीमे बैठलके ओ उ गाउँके दुईठो कुकुर ओ एकठो बंगुर खासेकलके स्थानीय खड्का बटैलै ।

एक सातासे ढेर समयसे बाघके त्रासमे रहलके टोलवासीहे साँझफपख घरबाहर निक्राना समेत समस्या हुइटीरहल बा । घना उखुबारीमे बाघ लुकके ओ बैठना करल कब बेला आक्रमण हुइना हो कहटी चिन्तासे स्थानीयहे सताइल बा ।

गोदावरी नगरपालिका-६ के वडाध्यक्ष जगगुराम चौधरी बाघसे गाउँमे बेलाबेलामे घरपालुवा जनावर मार्न करल बटैलै । घना उखुबारीके कारण बाघसे उहे आश्रय लेना हुइसेक्ना उहाँके कहाइ बा । बाघ नियन्त्रणके लग वडा कार्यालयसे वन कार्यालयसहित सम्बन्धित निकायहे अनुरोध करेसेक्ना उहाँ जानकारी डेलै ।

वन डिभिजन कार्यालय कैलालीके निमित्त प्रमुख रामअवतार चौधरीके अनुसार बाघके खोजी कार्य जारी बा । बाघके अवस्थिति पत्ता लगैना ड्रोन प्रयोग कैना प्रयास हुइटीरहल बा भर सम्भावित क्षेत्रमे क्यामेराफे जडान करल बा । बाघ फेला परलपाछे उचित व्यवस्थापनसहित उद्धार करल उहाँ बटैलै । वन डिभिजन कार्यालयसे बाघ नियन्त्रणमे नैआइलसम सतर्कता अपनैना स्थानीयहे आग्रह करल बा । विशेषगरी बालबालिका एकेली बाहर नैछोरना ओ साँझफबिहान अनावश्यक रूपमे घरबाहर नैनिकरना आग्रह करल बा ।

# अवैध लागूऔषध सहित तीन जाने पक्राउ

**पहुरा समाचारदाता**

**धनगढी, १५ कार्तिक ।** कैलाली ओ कञ्चनपुर जिल्लाके टमान ठाउँसे अबैध लागूऔषध सहित तीन जाने पक्राउ परल बटै ।

धनगढी उ.म.न.पा.७ ठाँउसे अवैध लागूऔषध ब्राउनसुगर १३९ मिलिग्राम सहित ऐ.ऐ बैठना वर्ष १९ के किरण रानाहे पक्राउ परले बटै ।

शनिच्चरके रोज शंका लाग चेकजाँच करके उ पदार्थ फेला पारके जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीसे खटल प्रहरी टोली उहाँहि पक्राउ करल बा ।

ओस्टेक करके, कञ्चनपुर जिल्लाके भिमदत्त नगरपालिका वडा न.११ गड्डाचौकी भाईरल रोड स्थितसे अवैध लागूऔषध खैरो हिरोइन ०.५४ ग्राम सहित जिल्ला कञ्चनपुर शुक्लाफाटा नगरपालिका वडा न. ०५ बैठना वर्ष २४ के प्रियका सुनार ओ ऐ.ऐ. बैठना वर्ष २१ के प्रबिण सुनारहे पक्राउ परल बटै ।

शनिच्चरके रोज भारतसे नेपाल ओर पैदल नङ्गट आइटीरहल अवस्थामे शंका लाग चेकजाँच करके उ पदार्थ फेला पारी जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुरसे खटल प्रहरी टोली दुनु जानेहे पक्राउ परल बटै । इ सम्बन्धमे प्रहरी आवश्यक अनुसन्धान करटीरहल जनैले बा ।


## ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

*कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।*






**संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन**

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा पश्चिम)

मो. ९८५८४२३९१२,



## सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

**कैलाली अस्पताल प्रा.लि**

Provide Health Related Services



**सेवाहरू :**

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

**डा. अकाश राउत**

MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

**हाम्रा सेवाहरू** : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।*

*२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

**कैलाली अस्पताल प्रा.लि**

*जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली*

*फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९*